VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1834)

Name of Candidate	RAKESH KUMAR MEENA		
Medium Eng./Hindi	HINDI	Registration Number	19016
Center	ONLINE	Date	

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका मे सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are TWENTY questions printed in ENGLISH & HINDI
   इसमे बीस प्रश्न है अंग्रेजी और हिन्दी मे छपे है।
3. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य है।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए है।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नो के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र मे किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम मे लिए गए उत्तर पर कोई अंक नही मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका मे खाली छोडा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

Scanned with CamScanner

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Scanned with CamScanner

1. The Sunga dynasty contributed significantly to the cultural and social development in ancient India. Discuss. **(150 words) 10**
प्राचीन भारत में सांस्कृतिक और सामाजिक विकास में शुंग वंश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। चर्चा कीजिए।

शुंग शासनकाल (180 – 75 AD)

प्रमुख शासक — पुष्यमित्र शुंग
— अग्निमित्र

सांस्कृतिक विकास –

– ब्राह्मण धर्म को संरक्षण

– पतंजलि जैसे विद्वान योगदर्शन तथा योगसूत्रों निर्माण

– कालिदास के 'मालविकाग्निमित्रम्' नाटक का प्रणयन

– संस्कृत भाषा आदि के प्रचलन

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- सांची स्तूप में शुंग शासन में तोरण द्वार का पुनर्निर्माण
- अजंता गुफा में गुफा संख्या 9 व 10 का निर्माण शुंगकाल में

सामाजिक विकास

= व्यापार - वाणिज्य का विकास
— दण्ड संबंधी प्रावधान लचीले
— जल संरक्षण प्रणालियों में विकास.

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ न लिखें।)

2. Discuss the role of foreign nationals in the Indian freedom struggle during the Gandhian phase. **(150 words) 10**

भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के गांधीवादी चरण के दौरान विदेशी नागरिकों की भूमिका की विवेचना कीजिए।

गांधीवादी चरण (1915 – 1947) के दौरान स्वतंत्रता आंदोलन में क्रांतिकारियों का प्रथम चरण तथा द्वितीय चरण सम्पन्न हुआ।

विदेशी नागरिकों की भूमिका

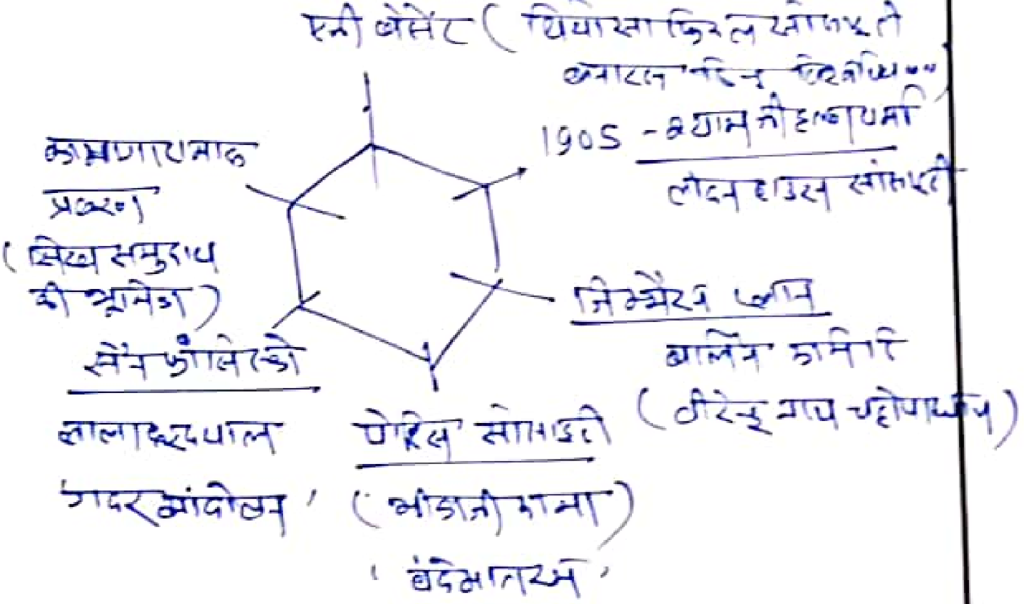

विदेशी नागरिकों की भूमिका के अलावा विदेशी संगठनों व शासन ने भूमिका निभाई –

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

- सुभाष चंद्र बोस द्वारा जापानी सरकार की सहायता
- आयरलैंड तथा रूस की क्रांति से प्रभावित क्रांतिकारी तथा समाजवादी संस्थाएं
- फ्रांस की क्रांति के आदर्शों जैसे - बंधुता समता तथा उदारता का पालन

इस प्रकार गांधी जी के चरण में न केवल विदेशी नागरिकों की बल्कि स्वयं गांधीजी की भी भूमिका महत्वपूर्ण रही।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Provide an account of the contributions of Ram Manohar Lohia during the Indian freedom struggle and in post-independence India. (150 words) 10
भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान एवं स्वातंत्र्योत्तर भारत में राम मनोहर लोहिया के योगदान का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

राम मनोहर लोहिया, जवाहरलाल नेहरू की तरह समाजवादी सोच से प्रेरित व्यक्ति थे। उनका मत था — राज्य का दायित्व गरीबों के हितों की रक्षा करना।

भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान

① अखिल भारतीय किसानसभा में सम्मिलित होकर कृषकों की मांगों का समर्थन

② 'हिन्दी' भाषा के साथ क्षेत्रीय भाषाओं को भारतीय संपर्क भाषा के रूप में प्रोत्साहन

③ अवध किसान कांग्रेस महासभा के निर्माण में अग्रणी भूमिका

Scanned with CamScanner

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्वातंत्र्योत्तर भारत में

मजदूरों तथा किसानों की मांगों को उठाया (आर्थिक असमानता यथा भूमि के कारण आपत्ति)

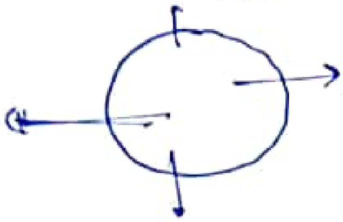

समाजवादी सरकार की स्थापना में मदद

भूदान तथा ग्रामदान आंदोलन में सहयोगी

आपातकाल के समय महत्वपूर्ण नेतृत्व प्रदान कर नागरिकों की स्वतंत्रता का संघर्ष

राममनोहर लोहिया संपूर्ण

संसाधनों के समतापूर्ण वितरण के लिए राज्य के एकाधिकार को बढ़ावा देते थे।

Scanned with CamScanner

4. What do you understand by tsunamigenic zones? Giving an account of their global distribution, explain the propagation of tsunamis. **(150 words) 10**

सुनामी जनक क्षेत्रों से आप क्या समझते हैं? उनके वैश्विक वितरण का विवरण देते हुए, सुनामी के संचरण की व्याख्या कीजिए।

सुनामी जनक क्षेत्र :- ऐसे क्षेत्र जो सुनामी प्रवण आपदाओं से वल्नरेबल हैं जैसे प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में 'Ring of fire' वाला क्षेत्र ।

वैश्विक वितरण :- ऐसे क्षेत्र जहाँ भूकंप, ज्वालामुखी संबंधी क्रियाएं अधिक होती हैं विशेषत: प्रशांतमहासागरीय, हिन्दमहासागर तथा अटलांटिक सागर में स्थित भूकंप प्रवण संबंधी क्षेत्र।

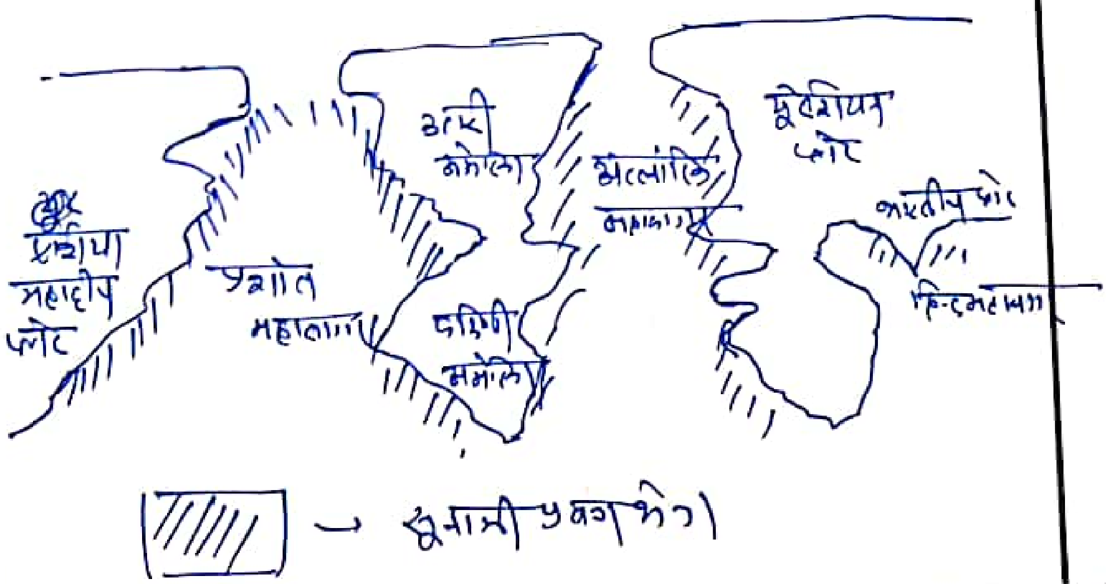

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुनामी संचरण की व्याख्या :-

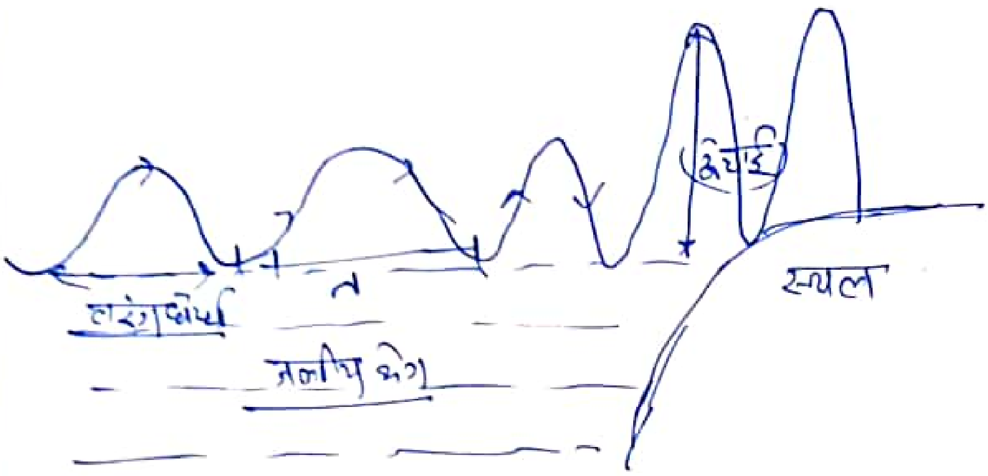

महासागर में भूकंपीय तरंगों के कारण समुद्र की लहरों का तरंग के रूप में धरातल की तरफ अग्रसर → समुद्री क्षेत्र में तरंगदैर्ध्य अधिक होने से ऊँचाई कम → लेकिन स्थल पर पहुँचने पर ऊर्जा स्रोत से विलगाव के कारण तरंगदैर्ध्य कम तथा ऊँचाई वृद्धि हो जाती है जो तटीय क्षेत्र के आसपास वाले क्षेत्रों में भारी नुकसान पहुँचाती है।

eg. सुनामी (2004)

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

5. What are atmospheric lakes? Highlight their characteristics.

(150 words) 10

वायुमंडलीय झीलें क्या हैं? उनकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What are polymetallic nodules? Highlight their geographical distribution and state their significance. (150 words) 10

पॉलीमेटेलिक नोड्यूल्स (बहुधात्विक ग्रंथियां) क्या हैं? उनके भौगोलिक वितरण पर प्रकाश डालिए और उनका महत्व बताइए।

पॉलीमेटेलिक नोड्यूल्स ऐसे पदार्थ होते हैं जो समुद्र के अधः-तल में पाए जाते है तथा दुर्लभ पदार्थ (Rare earth material) को भी सम्मिलित करते है।

भौगोलिक वितरण :-

① प्रशांत महासागरीय क्षेत्रों में

② भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र के हिन्द महासागरीय क्षेत्र में

③ चीन के पूर्व में स्थित दक्षिणी चीन सागर में

④ अटलांटिक महासागर में

Scanned with CamScanner

महत्व:

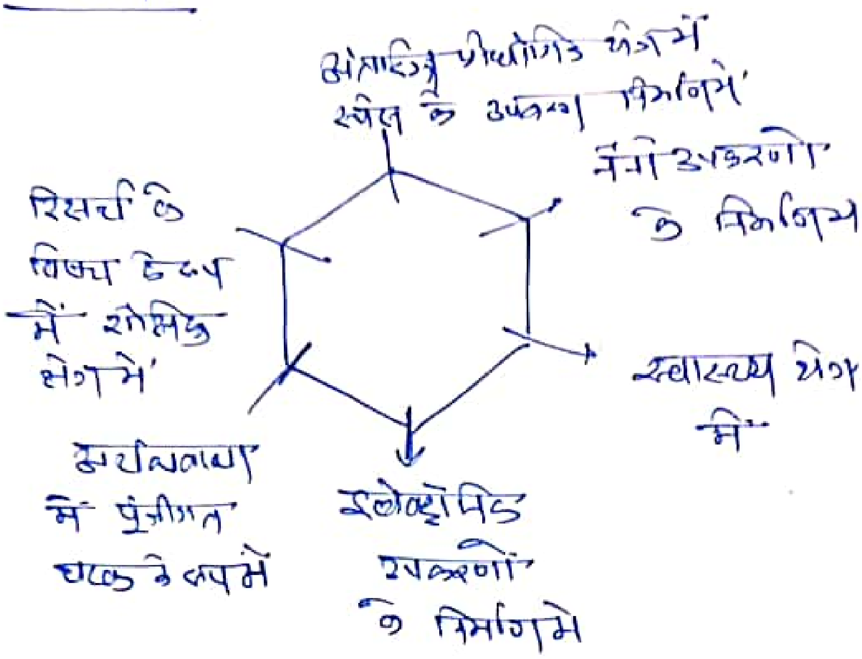

हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय seabed प्राधिकरण (ISA) ने भारत को अनन्य आर्थिक क्षेत्र में 10000 वर्ग किमी. क्षेत्रफल में पॉली मेटेलिक नोड्यूल्स के खनन तथा खोज की स्वीकृति प्रदान की।

Scanned with CamScanner

7. What are technical textiles? In view of their significance, discuss the steps taken by the government to promote them in India. **(150 words) 10**

तकनीकी वस्त्र क्या होते है? उनके महत्व को देखते हुए भारत में उन्हें बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर चर्चा कीजिए।

तकनीकी वस्त्र → ऐसे वस्त्र जो स्वचालित रूप से रक्षा क्षेत्र तथा अंतरिक्ष क्षेत्र में काम आ सके।

eg. रक्षा क्षेत्र मे - बुलेट प्रूफ जैकेट

अंतरिक्ष क्षेत्र मे - हल्के कपड़े जो स्पेस मे पहनने मे आसानी हो

~~सरकार~~ महत्व :-

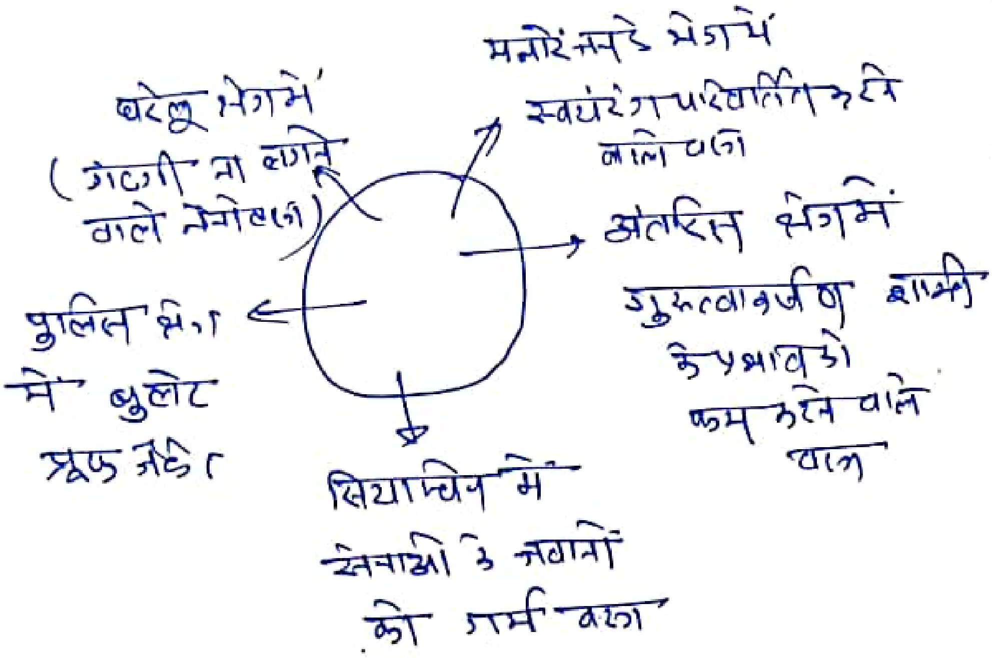

Scanned with CamScanner

सरकार द्वारा किए गए प्रयास

PM-MITRA PARK

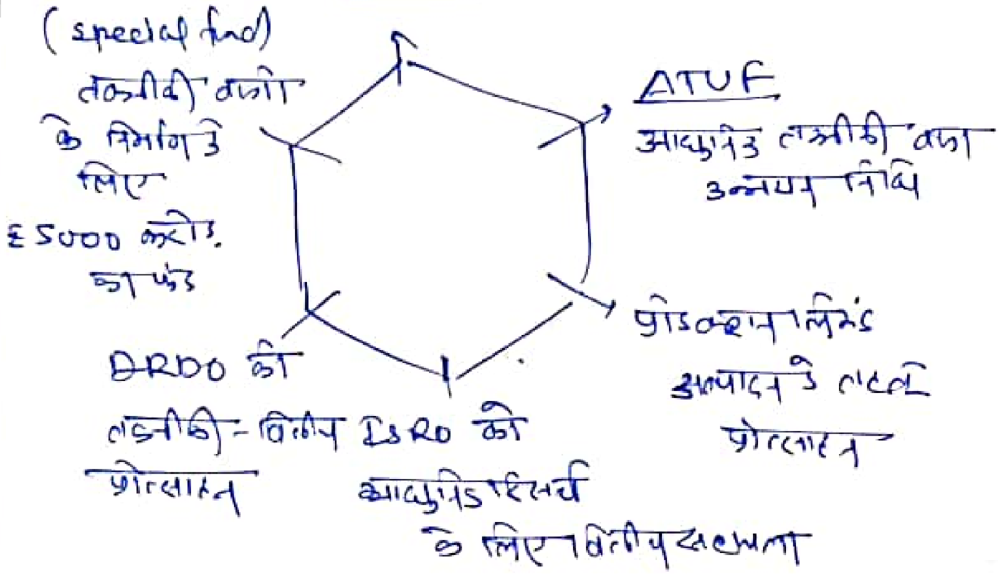

तकनीकी वस्त्र न केवल भारत के रणनीतिक क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि आने वाले समय में घरेलू क्षेत्र प्रयोग में भी महत्वपूर्ण साबित होंगे।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

8. Discuss the challenges that internal migration creates for urban governance in India. Also, suggest measures to address the same. (150 words) 10

भारत में आंतरिक प्रवासन द्वारा शहरी शासन के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों की विवेचना कीजिए। साथ ही, इनसे निपटने के उपायों का भी सुझाव दीजिए।

जनगणना 2011 के अनुसार भारत में 40 million लोग प्रवासन के कारण शहरों में बसे हुए हैं। तथा 2037 तक (UN Habitat report) के अनुसार शहरी लोगों की जनसंख्या बढ़कर 41% हो जाएगी।

आंतरिक प्रवासन से चुनौतियाँ

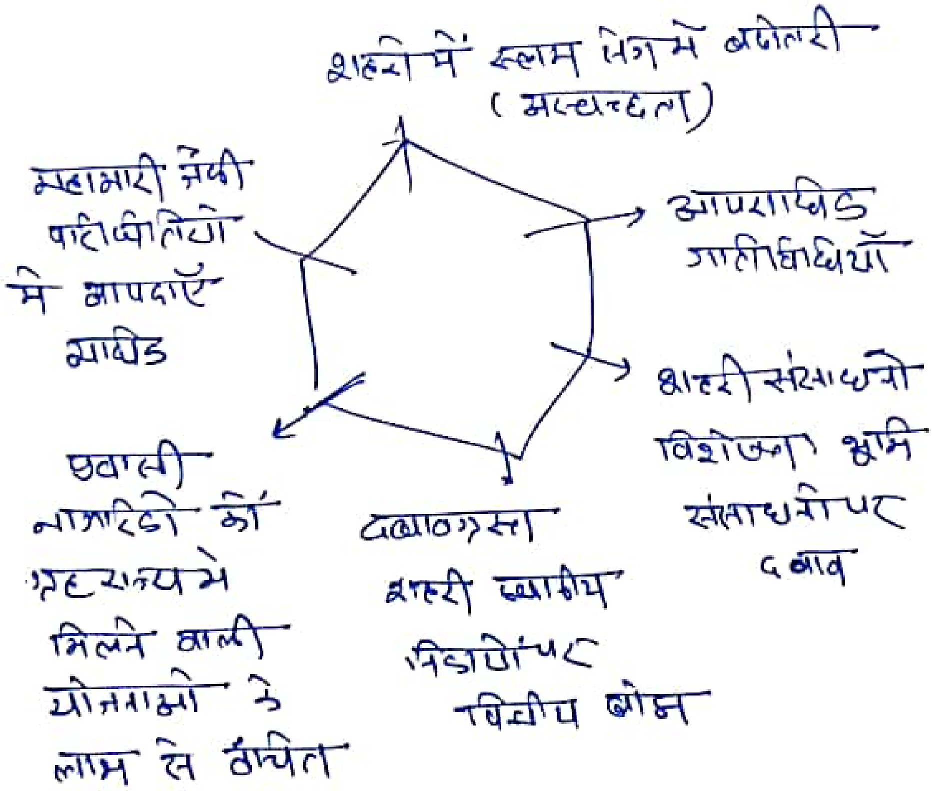

Scanned with CamScanner

- घरेलू कामगारों के रूप में महिलाओं व बच्चों का शोषण
- अनौपचारिक क्षेत्र में वृद्धि तथा स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव

उपाय :

- आंतरिक प्रवासन नीति का निर्माण (सभी राज्यों को शामिल कर)
- शहरी स्लम में रहने वाले प्रवासियों के लिए आवासीय योजनाएं
- शहरी स्थानीय निकायों की वित्तीय तथा मानव संसाधनों में वृद्धि
- प्रवासी नागरिकों के लिए विभिन्न राज्यों के मध्य योजनाओं को पोर्टेबल बनाना (one nation one ration card की तरह)

आंतरिक प्रवासन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण (PURA अभियान, दीनदयाल श्यामाप्रसाद RURBAN मिशन) के माध्यम से बेहतर ढंग से समायोजित किया जा सकता है

9. Discuss the various opportunities and challenges posed by globalization on working women in India. **(150 words) 10**

भारत में कामकाजी महिलाओं के लिए वैश्वीकरण द्वारा उत्पन्न विभिन्न अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

वैश्वीकरण → ऐसी प्रक्रिया जहां वस्तुओं तथा सेवाओं का आदान - प्रदान बिना सीमा के सभी जगह सर्वसुलभ हो।

कामकाजी महिलाओं के लिए अवसर

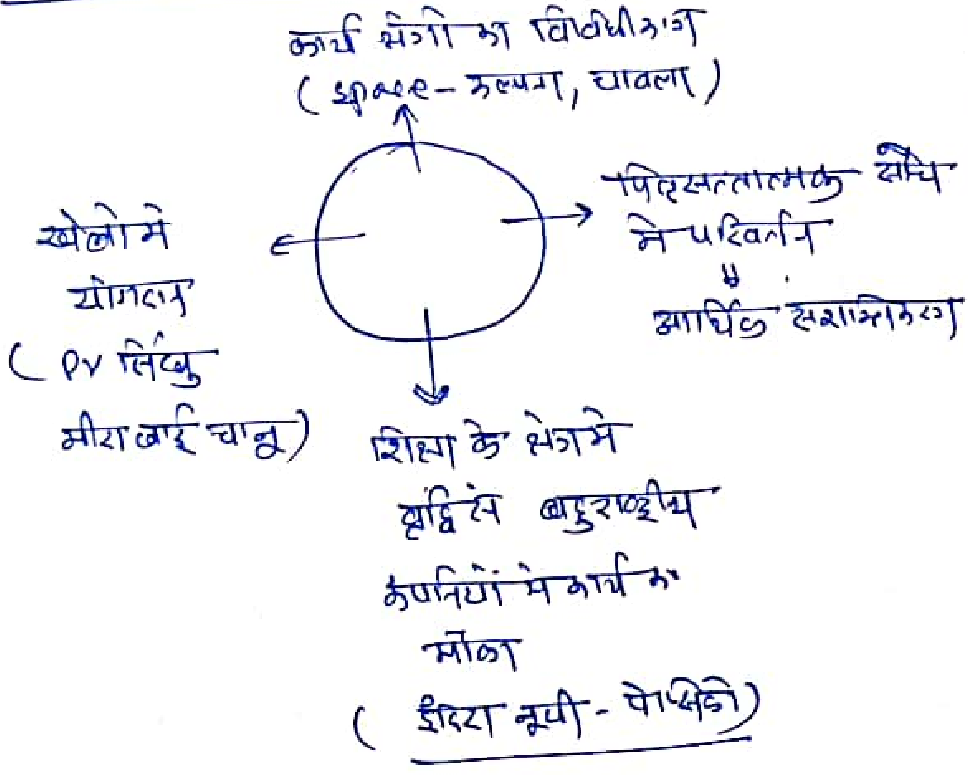

Scanned with CamScanner

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चुनौतियाँ

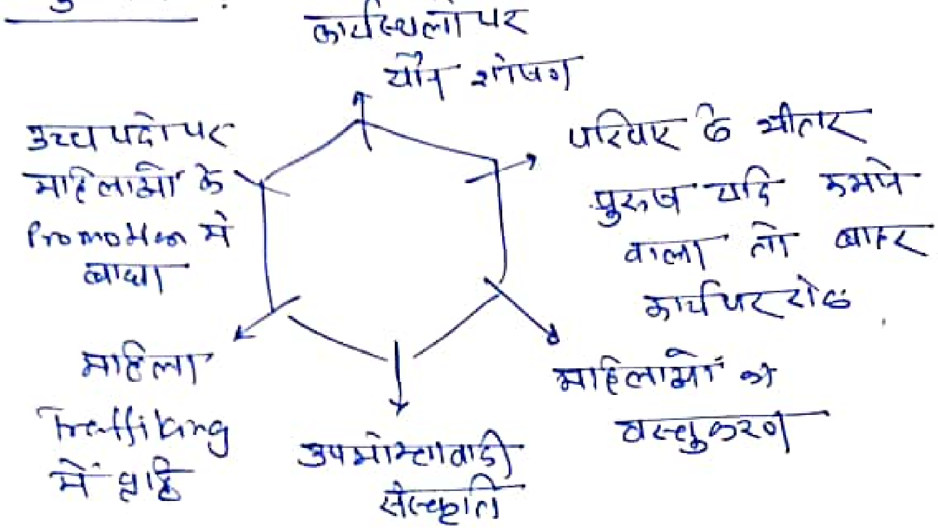

इन चुनौतियों के बावजूद भारत में शहरी क्षेत्रों में कामकाजी महिलाओं की संख्या में 2001 के मुकाबले 2011 में 25% की वृद्धि हुई

मैकेंजी रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं की कार्यस्थलों में भागीदारी से वैश्विक स्तर की GDP में 7-8% की वृद्धि हो सकती है

10. Discuss the rationale behind anti-conversion laws in India. Also, state the concerns that have been raised with regard to these laws.
(150 words) 10

भारत में धर्मांतरण विरोधी कानूनों के पीछे निहित तर्कों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, इन कानूनों के संबंध में व्यक्त चिंताओं का भी उल्लेख कीजिए।

संविधान के अनुसार सभी धर्मों को अपने उपदेशों व सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार तथा धार्मिक संस्थाओं के प्रबंध का अधिकार प्राप्त है (अनुच्छेद 25-28 तक)

धर्मांतरण विरोधी कानूनों के पीछे तर्क :

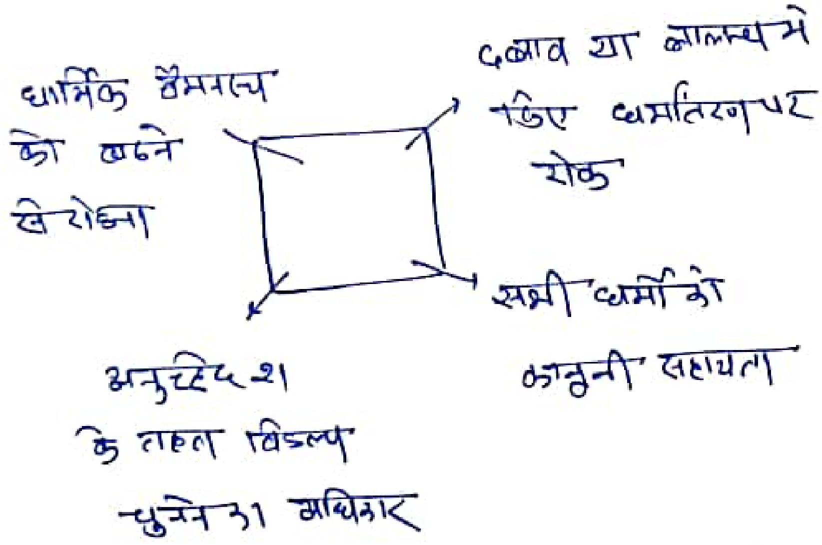

हाल ही में मध्यप्रदेश तथा उत्तरप्रदेश में धर्मांतरण विरोधी कानूनों को लागू किया गया है।

Scanned with CamScanner

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ भी न लिखें)

चिंताएँ :-

1. किसी विशेष धर्म के व्यक्तियों को सत्ता के लिए Target करना
2. अनुच्छेद 19(1)(a) का उल्लंघन → नागरिकों की स्वतंत्रता तथा अनुच्छेद 21 का भी उल्लंघन
3. धर्मांतरण संबंधी आत्मनिष्ठ अवधारणा को कानूनी परिभाषा में बांधना अतार्किक जिससे इसके दुरुपयोग होने की संभावना

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तरप्रदेश के धर्मांतरण संबंधी कानूनों को संवैधानिक रूप से वैध ठहराया बशर्ते इसका प्रयोग पूर्ण वस्तुनिष्ठ आधार पर किया जाए।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Central Asian contacts had a profound political and cultural impact on India in ancient times. Discuss. **(250 words) 15**

प्राचीन काल में मध्य एशियाई संपर्कों का भारत पर गहरा राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रभाव पड़ा है। विवेचना कीजिए।

प्राचीन काल की हड़प्पा-मोहनजोदड़ो सभ्यता से ही भारत का मध्य एशियाई संपर्क रहा।

राजनीतिक प्रभाव

- मेसोपोटामिया की राजनीतिक संरचना प्रभाव (युद्ध की समझ)
- मध्य एशियाई देशों के साथ व्यापार-वाणिज्य - घोड़ों का व्यापर (युद्धो में घोड़ो का प्रयोग)
- वस्तु विनिमय प्रणाली
- राजा प्रशासन की संरचना में कबिलाई नेतृत्व वाली अवधारणा

Scanned with CamScanner

- ईरान की सिंचाई - फारोल प्रणाली का प्रयोग
- तुर्कों की तोप - बारूद प्रणाली

सांस्कृतिक प्रभाव :-

- नवरोज त्यौहार का प्रचलन
- पहनावा – लंबे कुर्तों का प्रचलन
- खाना – Non-veg खाना, बिरयानी का प्रचलन
- पारसी रंगमंच नाटकों का भारतीय लोक कला मंडल पर प्रभाव
- वास्तुकला के क्षेत्र में - गुंबद मेहराब, मीनारों का प्रभाव
- चित्रकला के क्षेत्र में – चमकीले रंगों, गोल चेहरों का प्रयोग
- सूफी आंदोलन - समानता का भाव

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

न केवल मध्यएशिया का प्रभाव बल्कि भारतीय परंपराओं का प्रभाव भी मध्यएशियाई संस्कृति पर पड़ा।

① पंचतंत्र की कहानियों का कलीला दमना में रूपांतरण

② चरक संहिता तथा दशमलव प्रणाली (हिंदसा) का फारसी अनुवाद

③ महाभारत तथा रामायण जैसे ग्रंथों को अरबी फारसी में अनुवाद

④ भारत के खगोलविज्ञान, चाय, मसाला का उपयोग

इस प्रकार सांस्कृतिक आदान-प्रदान की प्रक्रिया में तथा आपसी व्यापार से राजनीतिक व आर्थिक-सांस्कृतिक प्रभाव दिखाई पड़ते हैं।

Scanned with CamScanner

Don't write anything in the margin (इस क्षेत्र में कुछ मत लिखें)

12. Governance, during the British rule, was a means of exploitation of India rather than a vehicle of public welfare. Discuss. (250 words) 15

ब्रिटिश राज के दौरान शासन (गवर्नेंस), लोक कल्याण के एक माध्यम के बजाय भारत के शोषण का एक साधन था। विवेचना कीजिए।

भारत में ब्रिटिश राज 1765 की इलाहाबाद की संधि से औपचारिक शुरुआत के पश्चात 1947 में भारत की आजादी तक दिखाई पड़ती है।

ब्रिटिश राज में लोक-कल्याण	शोषण का माध्यम
- सामंती व्यवस्था प्रणाली में भूराजस्व व्यवस्था में सुधार (ठेका प्रथा, रैयतवाड़ी, महालवाड़ी व्यवस्था)	- अंततः किसानों का शोषण, कर्ज में डूबे, भूमि अधिकारों से हाथ धोना पड़ा।
- शिक्षा व्यवस्था में सुधार मैकाले समिति वुड डिस्पैच	- रंग में भारतीय तथा रूप में अंग्रेजी भारतीयों का निर्माण - महिला शिक्षा नहीं - अंग्रेजी माध्यम

– डलहौजी द्वारा रेलवे लाइन तथा टेलीग्राफ जैसे संचार साधनों का विस्तार	– व्यापारों व रडिकल तथा संविधानवादियों की धाराओं व रणनीतियों की सुरंगसुधना
– मार्ले मिण्टो सुधार अधिनियम 1909 मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड अधिनियम 1919 भारत शासन अधिनियम 1935	– जातियों तथा धर्मों के आधार पर सांप्रदायिक चुनाव प्रणाली फूट डालो व राज करो की नीति
– प्रशासनिक तथा न्यायपालिका में सुधार (वारेन हेस्टिंग्स तथा लार्ड कार्नवालिस)	– भारतीयों को प्रवेश नहीं (1861 में पहली बार कुछ नाम चुने)
– शिक्षा से पत्र पत्रिकाओं का विकास	– वर्नाक्युलर Act – अनुज्ञप्ति आदि से प्रतिबंधित

Scanned with CamScanner

संवैधानिक रूप से बंगाल का विभाजन, उदारवादियों की संवैधानिक सुधार मांगों पर ध्यान न देना, 'Drain-theory' के माध्यम से धन का निर्गमन आदि भारत के शोषण की पराकाष्ठा रही।

लेकिन अंग्रेजी शासन के दौरान सती प्रथा निषेध अधिनियम, स्वदेशी आंदोलन के दौरान स्वदेशी उद्योगों का विकास, 1843 में दास प्रथा का उन्मूलन, वुड डिस्पैच में देशीय भाषा में शिक्षा का प्रचलन, प्रिंटिंग प्रेस के विकास से पत्र-पत्रिकाओं का विकास आदि ने भारत की सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक संरचना में सुधार का मार्ग भी प्रशस्त किया।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Discuss how India successfully dealt with the sensitive issue of language, which had the potential of threatening national unity in the post-independence period. (250 words) 15

चर्चा कीजिए कि भारत ने भाषा के संवेदनशील मुद्दे का, जिसमें स्वातन्त्र्योत्तर अवधि में राष्ट्रीय एकता के समक्ष खतरा उत्पन्न करने की क्षमता थी, किस प्रकार सफलतापूर्वक समाधान किया।

स्वतंत्रता के समय हिन्दी भाषा देश की संपर्क भाषा के रूप स्थापित थी तथा राजगोपालाचारी, वी. राव जैसे दक्षिणी राज्यों के नेता भी हिन्दी को स्वतंत्रोत्तर भारत में राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के पक्षधर थे।

स्वतंत्रोत्तर अवधि में भाषा :-

① भाषायी गठन के आधार पर राज्यों के निर्माण की मांग (आंध्रप्रदेश, गुजरात)

② अहिन्दी राज्यों में हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने का विरोध

③ क्षेत्रगत राजनीति के कारण भाषा को राजनीति का माध्यम बनाया

④ उत्तरी-पूर्वी राज्यों में भाषायी आधार पर अलगाव की स्थिति

⑤ भाषा को 'सांस्कृतिक' संयुक्ता के रूप में देखा गया।

⑥ भाषायी क्षेत्रवाद का खतरा

लेकिन तत्कालीन सरकारों द्वारा भाषायी संबंधी मुद्दों का सफलता पूर्वक समाधान किया.

① फजल अली आयोग के आधार पर राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 का निर्माण (आंध्रप्रदेश तथा गुजरात राज्यों का निर्माण)

② राजभाषा आयोग की संस्थापना तथा राजभाषा अधिनियम 1963

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के आधार पर अंग्रेजी को राजभाषा तथा हिंदी को उसके सहयोगी के तौर पर रखा तथा अहिन्दी राज्यों की सहमति पर ही राजभाषा का निर्धारण

(3) भाषायी 'सांस्कृतिक संप्रभुता' की रक्षा के लिए संविधान की आठवी अनुसूची का निर्माण (22 भाषाएं)

(4) अनुच्छेद 350 उ तथा अनुच्छेद 29 व 30 (भाषा व लिपि) के माध्यम से संविधान में भाषायी अल्पसंख्यकों के अधिकारों का निर्माण

वर्तमान वैश्वीकरण के युग में अंग्रेजी का बढ़ता प्रभुत्व तथा बाजारीकरण युग में हिन्दी को कड़ी प्रतिस्पर्धा भी देखने को मिल रही है।

14. Bring out the factors, which led to decolonisation after the Second World War. Also, discuss the role played by India in this regard. (250 words) 15
उन कारकों का उल्लेख कीजिए, जिनके चलते द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विउपनिवेशीकरण हुआ। साथ ही, इस संबंध में भारत द्वारा निभाई गई भूमिका की भी विवेचना कीजिए।

जर्मनी द्वारा पोलैण्ड पर आक्रमण (1939) के साथ शुरु द्वितीय विश्वयुद्ध (IInd WW) 1945 में संयुक्त राष्ट्रसंघ के साथ समाप्त हुआ।

IInd WW के बाद विउपनिवेशीकरण के कारण

① जनतंत्र के नाम युद्ध लड़ा गया (अमेरिका जैसे देशों द्वारा लोकतंत्र को बचाना)

② यूरोपीय वर्चस्व खत्म → IInd WW में अधिक आर्थिक हानि → अमेरिका का प्रभुत्व बढ़ा → उपनिवेशों पर पकड़ कमजोर

③ संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं (ब्रेटन वुड्स संस्थाओं) का उदय

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) राष्ट्रवाद का उदय तथा युद्ध में शामिल सैनिकों में स्वतंत्रता, समानता जैसे आदर्शों से परिचय

(5) साम्यवादी प्रसार को रोकने तथा पूंजीवादी व लोकतांत्रिक सोच को बढ़ावा देना (पाश्चिमी देशों की हार्दिक)

(6) युरोपीय देश उपनिवेशों को स्वतंत्र कर उनसे आर्थिक संबंध बनाए रखना चाहते थे।

भारत द्वारा निभाई भूमिका

(1) भारत द्वारा 2nd WW में भागीदारी का प्रश्न 'स्वतंत्रता की रक्षा' के परिप्रेक्ष्य में उठाया गया।

(2) गुटनिरपेक्षता आंदोलन (NAM) के माध्यम से स्वतंत्र हुए नए देशों

Don't write anything in this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

की स्वतंत्रता तथा संप्रभु अधिकारों के बारे में जागरूक किया

(3) अफ्रीका के देशों की स्वतंत्रता प्राप्ति में नेल्सन मंडेला का सहयोग तथा संयुक्त राष्ट्र में उपनिवेशों की स्वतंत्रता के पक्ष में आवाज उठायी

इस प्रकार द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात विउपनिवेशीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हुई हालांकि वर्तमान में नव-साम्राज्यवाद तथा नव-उपनिवेशवाद की अवधारणा प्रचलित है जो बाजारीकरण, निजीकरण के माध्यम से अप्रत्यक्ष तौर पर गरीब देशों के इतर निर्भरता को प्रदर्शित करता है।

Scanned with CamScanner

15. What are Marine Heat Waves (MHW)? Identify the causes of their formation and discuss their consequences for India. (250 words) 15

समुद्री ग्रीष्म लहरें (MHW) क्या हैं? उनके निर्माण के कारणों की पहचान कीजिए और भारत के लिए उनके परिणामों की विवेचना कीजिए।

समुद्री ग्रीष्म लहरें :- अत्यधिक ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन, बदलता जलवायु परिवर्तन तथा समुद्र की परतों में घटता थर्मोक्लाइन क्षेत्र आदि सम्मिलित कारकों से समुद्री सतह तापमान में बढ़ोतरी से उत्पन्न लहरें।

निर्माण कारक

(1) प्राकृतिक कारक :- • सूर्य का अधिक समय तक किरणों का प्रक्षेपण

• ज्वालामुखी क्रियाओं द्वारा तप्त लावा का उद्गार

• अत्यधिक शुष्क परिस्थितियाँ

Scanned with CamScanner

② मानवीय कारक —

- औद्योगिक तथा परिवहन क्षेत्रों के माध्यम से GHG का उत्सर्जन
- समुद्री क्षेत्र में खनन तथा ऑयल स्पिल
- कार्बन डाई ऑक्साइड का अधिक अवशोषण
- समुद्र के तट के किनारे पर लेजर लाइट show (पर्यटन क्षेत्र)
- जलवायु परिवर्तन से समुद्र तथा वातावरण में फेरल चक्र का कमजोर होना ...
- Positive Indian ocean dipole

आदि कारण समुद्री तपा लहरों के लिए जिम्मेदार हैं।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत के लिए परिणाम

① तटीय क्षेत्रों की समवर्ती जलवायु परिस्थितियों पर नकारात्मक प्रभाव - फसल उत्पादन पर प्रभाव

② स्वास्थ्य संबंधी बिमारियों का बढ़ना जिससे स्वास्थ्य अवसंरचनाओं पर बोझ

③ अरब सागर में चक्रवातों की बढ़ती तीव्रता (ताउते, यास) जिससे पर्यावरणीय व मानवीय क्षति

④ तटीय क्षेत्रों में प्रवाल भित्तियों पर नकारात्मक प्रभाव - पर्यटन तथा जैवविविधता को नुकसान

अतः गर्म समुद्री लहरों के प्रभावों से बचने के लिए प्राकृतिक व मानवीय कारकों के द्वारा समायोजन आवश्यक है।

Don't write anything in this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. What are the geo-climatic conditions required for oil palm cultivation? Do you agree with the view that India should promote its large-scale cultivation to reduce import dependency? (250 words) 15

ऑयल पाम (ताड़ के तेल) की खेती के लिए आवश्यक भू-जलवायविक दशाएं क्या हैं? क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि आयात निर्भरता कम करने के लिए भारत को इसकी बड़े पैमाने पर खेती को बढ़ावा देना चाहिए?

आर्थिक समीक्षा 2018-19 के अनुसार भारत अपने ऑयल पाम का लगभग ~60% आयात करता है।

ऑयल पाम की भूजलवायविक दशाएं

① जलवायु - आर्द्र समशीतोष्ण तथा आर्द्र उष्ण कटिबंधीय (इंडोनेशिया तथा भारत के दक्षिण क्षेत्रों में)

② मिट्टी - लैटेराइट soil की उपलब्धता

③ वर्षा - 100-200 cm तक

Scanned with CamScanner

खेती की आवश्यकता

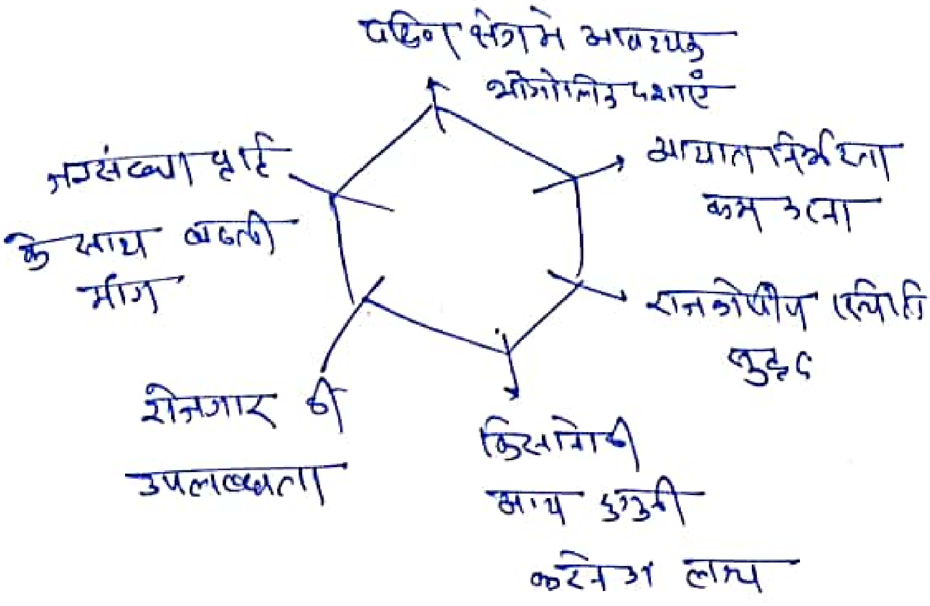

खेती को बढ़ावा देने का नुकसान

— दक्षिणी राज्यों में नकद खेती को बढ़ावा → 'mono culture' को बढ़ावा मिलने से खाद्यान्न पर संकट

— ऑयल पाम खेती की अत्यधिक फसल पकने की समय सीमा अधिक अतः किसानों को आय की समय पर प्राप्ति नहीं

Scanned with CamScanner

- भू जोतों का विखंडन
- पुरानी तथा अप्रचलित तकनीकों के माध्यम से खेती

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ऑयल पाम मिशन लागू कर इसके उत्पादन क्षेत्र तथा उत्पादकता में बढ़ोतरी का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन सरकार को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि इससे खाद्यान्न संकट तथा पारिस्थितिक जोखिम उत्पन्न हो।

---*---

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

17. In view of the changes witnessed in the state of Himalayan cryosphere, discuss the implications for India's water security. (250 words) 15
हिमालयी क्रायोस्फीयर (हिमांक-मंडल) की स्थिति में देखे गए परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए, भारत की जल सुरक्षा के लिए इसके निहितार्थों की विवेचना कीजिए।

IPCC की हाल की रिपोर्ट के अनुसार हिमालयी क्षेत्रों में क्रायोस्फीयर क्षेत्र में ग्लेशियरों के पिघलना लगभग 40% बढ़ा है।

क्रायोस्फीयर मे परिवर्तन

① जलवायु परिवर्तन तथा ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ता प्रभाव – ग्लेशियर रिट्रीटिंग जैसी घटनाओं का बढ़ता प्रभाव

② ग्लेशियर लेक आउट बर्स्ट जैसी घटनाएँ

③ भारतीय वैज्ञानिकों तथा ISRO की जानकारियों के अनुसार हिमालयी क्षेत्र में क्रायोस्फीयर क्षेत्र में संकुचन हुआ है।

Scanned with CamScanner

Don't write anything in the margin

भारत की जल सुरक्षा संबंधी निहितार्थ

① हिमालयी क्षेत्र का हिमोढ-मंडल उत्तरी भाग के राज्यों तथा पर्वतीय राज्यों के लिए पानी का स्रोत

② घटता ग्लेशियर पानी की कमी को इंगित करता है जो कृषि संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति में बाधा उत्पन्न कर सकता है

③ ऊर्जा संबंधी चिंताएं — पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित बांधों में पानी की आवक कम तथा hydropower production में कमी

④ ग्लेशियर पर प्रभाव → अल्बीडो को कम कर सकता है जो अंततः जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

(5) ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट जैसी घटनाएं आर्थिक व पारिस्थितिकी तौर पर संकट का कारण।

(6) क्षेत्रीय मौसमी परिघटनाओं में बदलाव से वर्षा प्रतिरूप में बदलाव

अतः भारतीय जल चिंताओं को ध्यान में रखते हुए निम्न प्रयास -

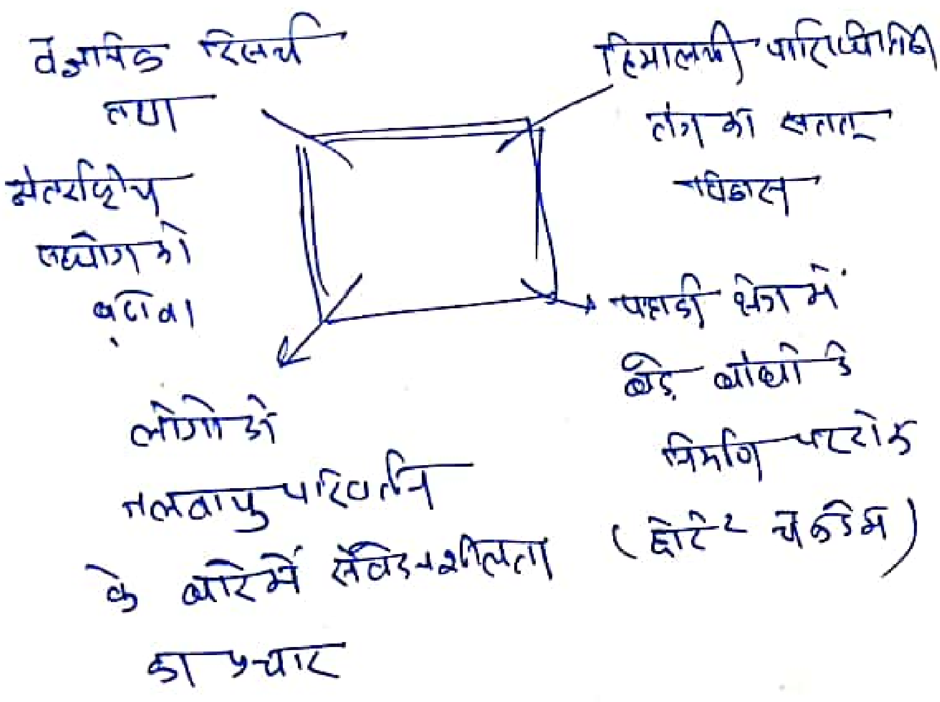

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

18. Ocean warming, ocean acidification and ocean deoxygenation are often referred to as the 'deadly trio' for marine life. Discuss. **(250 words) 15**

महासागरीय तापन, महासागरीय अम्लीकरण और महासागरीय विऑक्सीकरण को प्रायः समुद्री जीवन के लिए 'घातक त्रयी' के रूप में संदर्भित किया जाता है। विवेचना कीजिए।

महासागरीय तापन → जलवायु परिवर्तन,
ग्रीन हाउस गैसो का उत्सर्जन तथा सूर्य
का विकिरण प्रभाव - आदि मिलकर
महासागरीय जल तापन मे बढ़ोतरी करता है।

महासागरीय अम्लीकरण → समुद्र के द्वारा
अत्यधिक कार्बन डाइ ऑक्साइड के अवशोषण
से समुद्र मे H^+ आयनों की सांद्रता
मे वृद्धि जिससे समुद्री pH मे कमी

महासागरीय विऑक्सीकरण → महासागर में
ताप वृद्धि के कारण समुद्री जीवों की
बढ़ती श्वसन क्रिया → बढ़ता पाचन
तंत्र तथा बढ़ती प्रजनन क्षमता
अंततः O_2 की कमी

Scanned with CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything in this margin
इस भाग में कुछ ना लिखें।

समुद्री घातक गर्मी' क्यों?

① मृत क्षेत्रों की संख्या में वृद्धि
ऑक्सीजन की कमी से समुद्री जीवों की मौत

② अम्लीकरण से बढ़ती पुरोक्लिडरण की समस्या अतः सूर्य के प्रकाश मे बाधा

③ महासागरीय तापक - कोरल भित्तियों के विरंजन में महत्वपूर्ण अतः जैव विविधता पर असर

④ समुद्री मछलियों की कमी → मछुआरों की आजीविका पर प्रभाव साथ ही अंतर्द्वीप संघर्षों में बढ़ावा (भारत - श्रीलंका)

Scanned with CamScanner

(5) बढ़ता Eutrophication अंततः समुद्री भोजन में बाधा

(6) अत्यधिक तापन चक्रवातों की संख्या में वृद्धि जिससे इनकी तीव्रता परिघटना की बारंबारता में वृद्धि।

अतः आवश्यक है कि पेरिस समझौते, लंदन कन्वेंशन जैसी अंतर्राष्ट्रीय समझौते तथा व्यक्तिगत स्तर पर जागरूकता के माध्यम से 'घातक त्रयी' जैसी परिघटनाओं से बचा जा सकता है।

——✱——

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Tribals in India continue to face myriad challenges with regard to healthcare. Discuss the issues faced by them in this context and suggest remedial measures. (250 words) 15

भारत में आदिवासियों को स्वास्थ्य देखभाल के संबंध में निरंतर अनगिनत चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संदर्भ में, उनके द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दों की विवेचना कीजिए एवं उपचारात्मक उपायों का सुझाव दीजिए।

जनगणना 2011 के अनुसार भारत में ~13% आबादी आदिवासियों की है तथा हाल ही में प्रकाशित लॉसेंट की रिपोर्ट के अनुसार केवल ~33% आदिवासी आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो रही है।

सामना की जाने वाली चुनौतियाँ

— आदिवासियों में प्रचलित अंधविश्वास तथा रूढ़िगत प्रथाएँ (राजस्थान में सहरियों में अंरव बाला प्रचलन)

— समाज की मुख्य धारा के बाद निरन्तर स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच नहीं

Scanned with CamScanner

- ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सकों की कमी तथा आवश्यक अवसंरचना की कमी

- आदिवासियों की साक्षरता दर 53% (जनगणना 2011) अतः साक्षरता की कमी से स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता का अभाव

- आदिवासियों में बाल विवाह का प्रचलन (लोकुर रिपोर्ट -- 90% महिलाएँ एनीमिक) जिससे कुपोषण संबंधी बीमारियाँ अधिक

- स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती खर्च (PEW रिसर्च के अनुसार — 80% आदिवासी गरीब)

उपरोक्त चुनौतियों के समाधान के लिए उठाए जा सकने वाले कदम

Scanned with CamScanner

साक्षरता दर को बढाया जाए (एकलव्य मॉडल स्कूल)

योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन (AAA के सहयोग से)

बाल विवाह को कम करना तथा पोषण अभियान के माध्यम से पोषण विकास

आदिवासियों की समितियों के निर्माण के माध्यम से बेहतर लागूकरण (PESA कानून का बेहतर क्रियान्वयन)

आदिवासियों की आय में वृद्धि के उपाय (वनबंधु कल्याण योजना – TRIFED)

स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी अवसंरचनाओं का विस्तार (स्वास्थ्य बीमाओं का विस्तार)

↓

राजस्थान में मुख्यमंत्री चिरंजीवी बीमा योजना

आदिवासियों को बेहतर आय की सुरक्षा व शिक्षा के माध्यम से ही समाज की मुख्यधारा में जोड़ा जा सकता है

Scanned with CamScanner

Don't write anything in this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

20. Reservation for women perpetuates a "proxy culture" as seen in the phenomenon of "sarpanch patis". In this context, discuss whether reservation can address the issue of poor participation of women in Indian politics. (250 words) 15

महिलाओं के लिए आरक्षण एक "प्रॉक्सी कल्चर" को बनाए रखता है जैसा कि "सरपंच पति" की परिघटना में देखा जाता है। इस संदर्भ में, चर्चा कीजिए कि क्या आरक्षण भारतीय राजनीति में महिलाओं की निम्न भागीदारी के मुद्दे का समाधान कर सकता है।

17वीं लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी 14% हुई। (1952 में 7%) यह वृद्धि लगभग 50% जनसंख्या का नेतृत्व करने वाली आबादी के लिए चिंताजनक है।

सरपंच पति → स्थानीय निकायों में महिला के चुने जाने के पश्चात् केवल सांकेतिक अर्थ में 'नेता' का रूप धारण — वास्तविक शक्ति 'पति' के पास (राजपति की अवधारणा से भी संकीर्ण अवधारणा)

क्या आरक्षण समाधान ?

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

पक्ष में तर्क :-

① स्थानीय निकायों में आरक्षण से महिलाओं की राजनीतिक समझ में विस्तार

② महिला राजनीति भागीदारी में वृद्धि से महिला विषयक नीतियों में अधिक संवेदनशीलता

③ आरक्षण महिलाओं को 'दबाव समूह' के रूप Project कर महिलाओं की आवाज बुलंद

विपक्ष में तर्क :-

① 'सरपंच पति' जैसी अवधारणा का उच्च स्तर पर भी लागू होने की संभावना

② समाज की पितृसत्तात्मक सोच (महिला को नेता के रूप नहीं देखना पसंद)

Scanned with CamScanner

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ न लिखें)

आवश्यकता:

① पार्टी के अंदर स्त्रीयन की तरह रिक्टी का निर्धारण

② समाज की पुरुषवादी सोच मे परिवर्तन की आवश्यकता

③ लोकसभा मे लंबित 108 वाँ संविधान संशोधन विधेयक को पारित करना

④ एनी बेसेंट, सरोजनी नायडू, इंदिरा गांधी जैसी महान नारियों के बारे मे जागरूकता फैलाना

⑤ स्कूली स्तर से ही लड़कियों को राजनीतिक समझ को बढ़ाना

⑥ राजनीति को कैरियर के रूप में प्रसारित करना

⑦ अपराधियों की संख्या मे कमी लाना